प्रेस विज्ञप्ति / Press Release | अगस्त / August 14, 2021

सिडबी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस, 2021 के अवसर पर एक सप्ताह तक स्वावलंबन संसाधन सुविधा के अंतर्गत विभिन्न पहलों का शुभारंभ

SIDBI launches various initiatives under Swavalamban Resource Facility in a week-long celebration of International Youth Day 2021

- **स्वावलंबन संसाधन सुविधा के अंतर्गत स्वावलंबन स्वाभिमान परियोजना का शुभारंभ**
  Launches Project Swavalamban Swabhiman under Swavalamban Resource Facility
- **फ़ोरेन, कॉमनवैल्थ एंड डेवेलपमेंट ऑफिस, यूनाइटेड किंगडम (एफसीडीओ यूके) के साथ स्वावलंबन संसाधन सुविधा के तहत असम, बिहार और झारखंड राज्यों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों के साथ जुड़ाव की शुरुआत**
  Starts engagement with State Rural Livelihood Missions in the States of Assam, Bihar and Jharkhand under Swavalamban Resource Facility along with Foreign, Commonwealth & Development Office, United Kingdom (FCDO UK)
- **नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के साथ स्किलिंग टू एंटरप्राइज सेटअप के लिए साझेदारी**
  Partners with National Skill Development Corporation for Skilling to Enterprise Setup
- **आईआईएम लखनऊ में सिडबी सेंटर फॉर इनोवेशन्स इन फ़ाइनेंशियल इंक्लूशन (SCiFI) में स्टार्टअप्स के साथ विचार विमर्श**

Interacts with startups at SIDBI Centre for Innovations in Financial Inclusion (SCiFI) at IIM Lucknow

सूक्ष्म,लघु व मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न शीर्ष वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), लखनऊ, उत्तर प्रदेश में स्थित अपने प्रधान कार्यालय से स्वावलंबन संसाधन सुविधा के अंतर्गत विभिन्न पहलों की घोषणा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस को एक सप्ताह तक मनाया ।

Announcing various initiatives under Swavalamban Resource Facility, Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) has dedicated a week towards celebration of International Youth Day from its head office situated at Lucknow, Uttar Pradesh.

स्वावलंबन संसाधन सुविधा के अंतर्गत स्वावलंबन स्वाभिमान परियोजना का शुभारंभ:
Launches Project Swavalamban Swabhiman under Swavalamban Resource Facility:

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री सिवसुब्रमणियन रमण ने उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में फ़्रैगरेंस एंड फ्लेवर ड़ेवेलपमेंट सेंटर (एफएफडीसी) का दौरा किया, जिसमें उन्होंने माइक्रोफाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (यूपीएमए) के साथ साझेदारी में आयोजित की जा रही "स्वावलंबन स्वाभिमान" नामक परियोजना में शामिल प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। इस परियोजना का उद्देश्य कौशल-सह-विपणन-सह-क्रेडिट कनेक्ट के माध्यम से "एक जिला एक उत्पाद" (ओडीओपी) में छोटे क्लस्टर बनाना है। उत्तर प्रदेश सरकार के ओडीओपी कार्यक्रम के तहत कन्नौज जिले और उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में 100 युवा आकांक्षियों /कारीगरों, मुख्य रूप से महिलाओं को इस पहल के अंतर्गत सम्मिलित किया गया। इस परियोजना से प्रवासियों सहित 1,000 से अधिक सूक्ष्म उद्यमियों के लिए आजीविका के विकल्प खुलने की आशा है।

Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director (CMD) of SIDBI, visited Fragrance and Flavour Development Center (FFDC) in Kannauj district of Uttar Pradesh to interact with participants involved in the project named as “Swavalamban Swabhiman” being conducted by SIDBI in partnership with Microfinance Association of Uttar Pradesh (UPMA). This project aims in kindling mini clusters in “One District One Product” (ODOP) through skill-cum -market-cum-credit connect. 100 young aspirants/artisans, mainly women, in Kannauj district and Firozabad district of Uttar Pradesh under ODOP Program of Uttar Pradesh Government were brought under this initiative. The project is expected to open livelihood options to more than 1,000 Micro-entrepreneurs including migrants.

इस कार्यक्रम में एफएफडीसी के प्रतिभागियों को अगरबत्ती, धूपबत्ती, गुलाबजल (इत्र) और हवन सामग्री जैसे अपशिष्ट फूलों से विभिन्न उत्पाद बनाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण

प्रदान किया गया। यह "वेस्ट टू मार्केट टेस्ट" पहल है जहां महिलाएं स्वाद और सुगंध प्रक्रिया के दौरान बचे हुए पदार्थों से अगरबत्ती बनाती हैं।

In this program, the participants at FFDC were provided skill development training for making various products from waste flowers like Incense sticks Agarbatti, Dhoopbatti, Gulabjal (perfumery) and Hawan Samagri. It's "Waste to Market Taste" initiative where women would make incense sticks from leftover materials during flavour and fragrance process.

इस अवसर पर श्री रमण ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया और परियोजना के लाभार्थियों को टूल किट, प्रमाण पत्र और अल्प वित्त संस्थाओं से वित्तीय सहायता के लिए मंजूरी पत्र वितरित किए। श्री रमण ने फिरोजाबाद जिले में कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ भी बातचीत की, जिन्होंने एफएफडीसी में अपने डिजाइन किए गए उत्पादों को प्रदर्शित किया। एक विकासपरक कदम के रूप में, सिडबी ने अपने कार्यालयों के लिए फिरोजाबाद कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीद का फैसला किया है।

On this occasion, Shri Ramann motivated the participants and distributed tool kits, certificates and sanction letters of Microfinance Institutions for financial assistance to beneficiaries of the project. Shri Ramann also interacted with the participants in the program at Firozabad district who displayed their designed products at FFDC. As a development move, SIDBI has decided to pick some Firozabad artisanal product for its offices.

श्री रमण ने शाम को एक अन्य कार्यक्रम में, राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 5 और जिलों में स्वावलंबन स्वाभिमान परियोजना के विस्तार की घोषणा की।

In a separate event in evening, Shri Ramann announced for scaling up the project Swavalamban Swabhiman in 5 more districts of Uttar Pradesh covered under One District One Product (ODOP) scheme of state government.

फ़ोरेन, कॉमनवैल्थ एंड डेवेलपमेंट ऑफिस, यूनाइटेड किंगडम (एफसीडीओ यूके) के साथ स्वावलंबन संसाधन सुविधा के तहत असम, बिहार और झारखंड राज्यों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों के साथ जुड़ाव की शुरूआत:

Starts engagement with State Rural Livelihood Missions in the States of Assam, Bihar and Jharkhand under Swavalamban Resource Facility along with Foreign, Commonwealth & Development Office, UK (FCDO UK):

सिडबी ने फ़ोरेन, कॉमनवैल्थ एंड डेवेलपमेंट ऑफिस, यूनाइटेड किंगडम (एफसीडीओ यूके) के साथ साझेदारी में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 12 अगस्त, 2021 को असम, बिहार और

झारखंड राज्यों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों के साथ तकनीकी सहायता जुड़ाव शुरू किया है।

SIDBI in partnership with Foreign, Commonwealth & Development Office, UK (FCDO UK) has launched technical support engagement with State Rural Livelihood Missions in States of Assam, Bihar and Jharkhand on August 12, 2021, to mark International Youth Day.

ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव श्री नागेंद्र नाथ सिन्हा ने श्री रमण, श्री वी सत्य वेंकट राव, उप प्रबंध निदेशक, सिडबी, श्री बालमुरुगन.डी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, बिहार रूरल लाईवलीहूड्स प्रमोशन सोसायटी, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुश्री नैन्सी सहाय, असम स्टेट लाइवलीहुड रूरल मिशन की एसएमडी, सुश्री कृष्णा बरुआ, एफसीडीओ यू.के. में वरिष्ठ सामाजिक विकास सलाहकार, सुश्री ममता कोहली और विश्व बैंक से श्री अमित अरोड़ा की उपस्थिति में इस जुड़ाव की शुरुआत की गई। बैंक सखियों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया जाना और भविष्य के ग्रामीण संपर्क के लिए अपेक्षाओं का निर्धारण इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे।

The engagement was launched by Secretary, Ministry of Rural Development, Shri Nagendra Nath Sinha in the presence of Shri Ramann, , Shri V. Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director, SIDBI, Shri Balamurugan D, Chief Executive Officer, Bihar Rural Livelihoods Promotion Society, Ms. Nancy Sahay, Chief Executive Officer of Jharkhand State Livelihood Promotion Society, Ms. Krishna Baruah, Assam State Livelihood Rural Mission, Ms. Mamta Kohli, Senior Social Development Advisor at FCDO UK and Shri Amit Arora, from World Bank. Experiential sharing by Bank Sakhis and expectation setting for future rural connect were key highlights.

श्री रमण ने कहा, "हम इस जुड़ाव को एक आंदोलन के रूप में आगे ले जाना चाहते हैं और इस पहल को आगे बढ़ाने और समाज के निचले तबके से आने वाले लोगों से जुड़ने की चुनौती को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं।"

Shri Ramann said, “We intend to take forward this engagement as a movement and humbly accept the challenge to upscale the initiative and connect with people at the bottom of the pyramid.”

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के साथ स्किलिंग टू एंटरप्राइज सेटअप के लिए साझेदारी

Partners with National Skill Development Corporation for Skilling to Enterprise Setup:

सिडबी ने उद्यम स्थापित करने वाले युवाओं के कौशलीकरण/कौशल उन्नयन /पुन: कौशलीकरण के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ साझेदारी की। लखनऊ में कौशल कक्षाएं शुरू की गई हैं।

SIDBI partnered with National Skill Development Corporation (NSDC) for Skilling / Upskilling / Re-Skilling the youths leading to Enterprise set up. Sw-Skill Classes has been started in Lucknow.

श्री रमण ने कहा, "यह साझेदारी उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देगी और इसकी परिकल्पना 'कौशल प्रयोगशाला' के रूप में की गई है, जहां कोई व्यक्ति प्रवेश करता है, प्रशिक्षित होता है और आत्मनिर्भर और स्व-रोजगार के लिए पर्याप्त रूप से कुशल बन जाता है। ये कक्षाएं प्रशिक्षित लोगों को आस-पास के उद्यमों से भी जोड़ेगी और प्रशिक्षुओं/प्रशिक्षितों को रोजगार प्रदाता के रूप में विकसित करने, बाजारों से जुड़ने और पारितंत्र का निर्माण करने में सक्षम बनाने की सुविधा प्रदान करेगी।"

Shri Ramann said, "The partnership will lend impetus to the culture of entrepreneurship, and it is envisioned as 'Skilling Lab(s)' where a person enters, get trained and emerges skilled enough to be self-dependent and self-employed. These classes will also connect the trained ones to nearby enterprises and enable/facilitate the trainees/trained to evolve as Job creator, connect with markets and build ecosystem."

आईआईएम लखनऊ में सिडबी सेंटर फॉर इनोवेशन्स इन फ़ाइनेंशियल इंक्लूशन (एससीआईएफआई) में स्टार्टअप्स के साथ विचार विमर्श

Interaction with startups at SIDBI Centre for Innovations in Financial Inclusion (SCiFI) at IIM Lucknow:

श्री रमण ने आईआईएम लखनऊ में सिडबी सेंटर फॉर इनोवेशन इन फाइनेंशियल इनक्लूशन (एससीआईएफआई) में स्टार्टअप्स के साथ विचार विमर्श किया । श्री रमण ने घोषणा की कि सिडबी ने एफसीडीओ समर्थन के साथ एक फिनटेक एम्पावरमेंट फंड की स्थापना की है जिसमें चुनिंदा विषय और प्रतिस्पर्धा-आधारित सीड फंडिंग (सार्वजनिक हितों के लिए समाधान हेतु) पर विचार किया जाएगा।

Shri Ramann interacted with startups at SIDBI Centre for Innovations in Financial Inclusion (SCiFI) in IIM Lucknow. Shri Ramann announced that SIDBI has setup a Fintech Empowerment Fund with FCDO support wherein select theme and competition-based seed funding (for public good solution) shall be considered.

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के बारे में: राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), वित्त मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के रूप में स्थापित एक गैर-लाभकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनी है और भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के अंतर्गत प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना की प्रमुख योजना (पीएमकेवीवाय) की कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करती है। अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: **https://nsdcindia.org/**

About National Skill Development Corporation: National Skill Development Corporation (NSDC), a not-for-profit public limited company set up by Ministry of Finance as Public Private Partnership (PPP) and act as implementing agency for flagship scheme Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY) under Ministry of Skill Development & Entrepreneurship (MSDE) of Government of India. For more information, please visit: https://nsdcindia.org/

सिडबी सेंटर फॉर इनोवेशन्स इन फ़ाइनेंशियल इंक्लूशन (एससीआईएफआई) के बारे में : सिडबी सेंटर फॉर इनोवेशन्स इन फ़ाइनेंशियल इंक्लूशन (एससीआईएफआई) की स्थापना जुलाई 2017 में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ परिसर में की गई थी, जिसका उद्देश्य उद्यमों की संवृद्धि के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा सहायता प्राप्त वित्तीय समावेशन पर काम करने वाले स्टार्ट-अप को एक सक्षम वातावरण प्रदान करना था। एससीआईएफआई क्षमता निर्माण उपायों के माध्यम से और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में स्टार्ट-अप को परामर्श देकर और ग्रामीण महिलाओं पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाली या ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने वाली किसी भी अन्य गतिविधि के माध्यम से उद्यमशीलता की क्षमता को उघाड़ने की कोशिश करता है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अपेक्षित परामर्श सहायता और पारितंत्र संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके तकनीकी विचारों को साकार करने, समझने और उन्हें परिवर्तित करने का प्रयास करता है।

About SIDBI Centre for Innovation in Financial Inclusion (SCiFI): In July 2017, the SIDBI Centre for Innovation in Financial Inclusion (SCiFI) was set up at the Indian Institute of Management (IIM) Lucknow campus with the aim of nurturing start-ups working on financial inclusion aided by technology by providing an enabling environment for the growth of ventures. SCiFI looks to unlock entrepreneurial potential through capacity-building measures and by mentoring start-ups in the domain of financial inclusion and any other activity having direct impact on rural women or promoting rural livelihood. The incubation center seeks to explore, understand and turn tech ideas into reality by providing required mentoring support and access to ecosystem resources.

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम

स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in